माथा पच्ची

मुकेश मालवीय

घोटल-मोटल के खेल

आजकल घोटल और मोटल को गणित में बड़ा मज़ा आ रहा है। घोटल-मोटल ने एक दूसरे के लिए कुछ जोड़-घटाने के सवाल बनाए। उन्होंने सभी संख्याओं को एक अक्षर से बदल दिया है। तुमको पता करना है कि उन अक्षरों की जगह कौन-सी संख्या रखने पर सवाल का जवाब सही हो जाएगा। एक सवाल का हल हम दे रहे हैं। देखना, क्या इसी सवाल के और हल भी हो सकते हैं?

घो ट ल	620	घो ट ल
+ मो ट ल	420	+ मु के श
तो ल मो ल	1040	मो ट ल

मु के श	ट ल धो
- घो ट ल	- ल मो ट
मो ट ल	घो प मो

यहाँ हर सवाल के लिए अलग-अलग सँख्याएँ ली गई हैं। तुम भी ऐसे सवाल बना सकते हो।

"मान लो सारे अच्छे लोग गोरे हो जाएँ और सारे बुरे काले तो बताओ तुम किस रंग के होना चाहोगे?" टीचर ने पूछा।

एक छोटी-सी बच्ची ने जवाब दिया, "मैं धारीदार होना चाहूँगी।"

उलझन

रेक्स डी रोज़ारियो

चोर और चोरी का माल

एक दिन राशिद बाज़ार गया। रास्ता सुनसान था। आगे एक बूढ़ी औरत धीरे-धीरे चल रही थी। अचानक एक काली मोटरसाइकिल पर सवार काला हैल्मेट लगाए दो लड़के तेज़ी से बुढ़िया के पास से गुज़रे। पीछे बैठा लड़का बुढ़िया का पर्स और चेन खींचता है। बुढ़िया गिर पड़ती है। और मोटरसाइकिल सवार तेज़ी से फरार हो जाते हैं।

राशिद कुछ देर के लिए घबरा जाता है। फिर वह भागकर बुढ़िया को उठाता है। उसे खास चोट नहीं लगी है। लेकिन अचानक हुए हमले से वो होश खो बैठी है और कुछ बुदबुदा रही है। उसे शान्त कराकर वह सोच में डूबा है। क्या करूँ?

उसी वक्त वहाँ से एक खाली ऑटोरिक्शा गुज़रता है। राशिद उसे रोककर शिकायत दर्ज कराने नज़दीक की पुलिस चौकी जाता है। पुलिस घटना का पूरा विवरण माँगती है – क्या हुआ?, छीननेवालों के कपड़े, मोटरसाइकिल का नम्बर, आदि।

राशिद के मन में खलबली मची है। वह मोटरसाइकिल का नम्बर और उस पर सवार दोनों लड़कों को जानता है। वे उसी के साथ ही पढ़ने वाले किशोर और आमिर हैं। उसके जिगरी दोस्त! दोनों ड्रग्स के गुलाम।

पर कुछ सोचकर वह पुलिस को घटना की कुछ-कुछ जानकारी देता है।

क्या राशिद ने सही किया? क्या उसकी चुप्पी ठीक है? वहाँ तुम होते तो क्या करते?

अगले दिन, स्कूल में किशोर और आमिर उससे कहते हैं, "अच्छा हुआ तुमने पुलिस को नहीं बताया, वरना....। चलो, छोड़ो ये सब बातें। मोबाइल चाहिए क्या? सस्ते में? सब फीचर्स हैं – कैमरा, एफ.एम., गेम्स, इंटरनेट। बस, एक हज़ार में। लेना है क्या?"

राशिद सोचता है कि सौदा अच्छा है पर इसमें कोई शक नहीं कि यह चोरी का माल है। उस बूढ़ी अम्मा के पर्स में भी तो ऐसा ही मोबाइल था।

राशिद क्या करे?

चित्र: जितेन्द्र ठाकुर